

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्गा/09/2010-2012.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

## प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 16 ]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 22 अप्रैल 2011—वैशाख 2, शक 1933

### विषय—सूची

भाग 1.—(1) राज्य शासन के आदेश, (2) विभाग प्रमुखों के आदेश, (3) उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं, (4) राज्य शासन के संकल्प, (5) भारत शासन के आदेश और अधिसूचनाएं, (6) निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं, (7) लोक-भाषा परिशिष्ट.

भाग 2.—स्थानीय निकाय की अधिसूचनाएं.

भाग 3.—(1) विज्ञापन और विविध सूचनाएं, (2) सांख्यिकीय सूचनाएं.

भाग 4.—(क) (1) छत्तीसगढ़ विधेयक, (2) प्रवर समिति के प्रतिवेदन, (3) संसद में पुरःस्थापित विधेयक, (ख) (1) अध्यादेश, (2) छत्तीसगढ़ अधिनियम, (3) संसद् के अधिनियम, (ग) (1) प्रारूप नियम, (2) अंतिम नियम.

## भाग १

### राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 5 अप्रैल 2011

क्रमांक एफ 1-2/2010/1/5.—भारत सरकार, गृह मंत्रालय की अधिसूचना क्रमांक 20-25-56-पब-एक, दिनांक 08 जून, 1957 के साथ पढ़ी गई परक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रुमेंट एक्ट) 1881 (1881 का क्रमांक 26) की धारा 25 के स्पष्टीकरण द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन, एतद्वारा इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 अक्टूबर, 2010 के अनुक्रम में, “डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती” गुरुवार दिनांक 14 अप्रैल 2011 को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में सार्वजनिक अवकाश का दिन घोषित करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
के. आर. मिश्रा, संयुक्त सचिव.

**समाज कल्याण विभाग**  
**मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर**

रायपुर, दिनांक 26 मार्च 2011

क्रमांक/एफ 1-28/10/स.क्र./26.—राज्य शासन एतद्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख तथा संरक्षण) अधिनियम 2000 यथा संशोधित 2006 की धारा 29 की उपधारा (1) एवं (2) तथा छत्तीसगढ़ किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) नियम 2006 का नियम 12 के उपनियम (1) एवं (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य चयन समिति द्वारा सम्यक् रूप से चयनित अध्यक्ष एवं सदस्यों को सम्मिलित करते हुए नीचे दर्शाए अनुसार जिलों में बालक कल्याण समिति का गठन करती है :—

**अनुसूची**

अ. क्र. (1)	जिले का नाम (2)	सदस्यों का नाम (3)	अध्यक्ष/सदस्य (4)
1.	नारायणपुर	1. श्री बोधराज सिंह 2. श्री खेमलाल नाग 3. श्री देवीसिंह माझी 4. श्रीमती दिशा इलवादी 5. श्रीमती सच्ची देवांगन	अध्यक्ष सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य
2.	बीजापुर	1. श्री घासीराम नाग 2. श्री यालम नारायण 3. श्री सीताराम तोडेम	अध्यक्ष सदस्य सदस्य

बालक कल्याण समिति की काल अवधि अधिसूचना जारी होने के दिनांक से 3 वर्ष होगी. यह समिति संप्रेक्षण गृह/बाल गृह के परिसर में अथवा निर्धारित स्थान में अपनी बैठकें करेगी.

No. F 1-28/10/S.W./26.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 29 of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act 2000 as amended 2006 and sub-rules (1) and (2) of rule 12 of Chhattisgarh Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Rule 2006, the State Government hereby constitutes the Child Welfare Committee with a Chairman and Members duly selected by the State Selection Committee for the following districts :—

**SCHEDULE**

S. No. (1)	Name of the District (2)	Name of Members (3)	Chairman/Member (4)
1.	Narayanpur	1. Shri Bodhraj Singh 2. Shri Khemlal Nag 3. Shri Devi Singh Majhi 4. Smt. Disha Ilwadi 5. Smt. Sachchi Dewangan	Chairman Member Member Member Member
2.	Bijapur	1. Shri Ghasiram Nag 2. Shri Yalam Narayan 3. Shri Seetaram Todem	Chairman Member Member

The term of office of the Child Welfare Committee shall be three years from date of the notification. The Committee shall be meeting in the premises of the Observation Homes/Children Home or elsewhere as decided.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
के. डी. पी. राव, सचिव.

## कृषि विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 5 अप्रैल 2011

क्रमांक/1408/एफ-12/28/2009/14-2.—छत्तीसगढ़ कृषि उपज मण्डी अधिनियम 1972 (क्रमांक 24 सन् 1973) की धारा 5 की उपधारा (2) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, विभागीय अधिसूचना क्रमांक 3130-ए/एफ-12/28/2009/14-2 रायपुर, दिनांक 28-08-2010 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

## संशोधन

उक्त अधिसूचना में :—

शब्द “चांपा” के स्थान पर शब्द “नैला” प्रतिस्थापित किया जाए.

No./1408/F-12/28/2009/14-2.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Part (a) of Section 5 of the Chhattisgarh Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972 (No. 24 of 1973), the State Government hereby makes the following amendment in the Department Notification No. 3130-A/F-12/28/2009/14-2, Raipur, Dated 28-08-2010, namely :—

## AMENDMENT

In the said Notification :—

For the word “Champa” the word “Naila” shall be substituted.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
प्रदीप कुमार दवे, उप-सचिव.

## राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन  
राजस्व विभाग

कांकेर, दिनांक 28 मार्च 2011

क्रमांक/1788/भू-अर्जन/कले./2011.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) की उपबन्ध उसके संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उनकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
उत्तर बस्तर कांकेर	नरहरपुर	शामतरा	0.57	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन, उत्तर बस्तर कांकेर.	दुधावा दायीं तट नहर निर्माण माइनर एक.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
एन. के. खाखा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 11 मार्च 2011

क्रमांक 04/2009-10.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मरवाही	सिवनी	1.29	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	गूजरनाला जलाशय योजना नहर कार्य.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्डारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 11 मार्च 2011

क्रमांक 23/अ-82/2006-07.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मरवाही	कटरा	0.63	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, मरवाही.	कटरा जलाशय के नहर निर्माण हेतु.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्डारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 मार्च 2011

क्रमांक 10/अ-82/2010-11.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	तखतपुर	निरतू प. ह. नं. 31	7.58	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर	लछनपुर व्यपवर्तन योजना के अंतर्गत आर.बी.सी. नहर निर्माण कार्य के लिए

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), कोटा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 मार्च 2011

क्रमांक 21/अ-82/2010-11.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिलासपुर	नेवसा	0.14	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर	अकलतरी जलाशय नहर निर्माण हेतु

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), बिलासपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2011

क्रमांक 02/अ-82/2010-11.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	बिल्हा	पोड़ी प. ह. नं. 2	0.54	कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर.	पोंड़ी एनीकट के पहुंच मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अ.वि.अ. (राजस्व), बिल्हा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 अप्रैल 2011

क्रमांक 23/अ-82/2009-10.— चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	पेण्डारोड	मंडना	2.755	मुख्य अभियंता, (निर्माण-1) दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, बिलासपुर (छ. ग.)	सारबहरा स्टेशन से पेण्डारोड स्टेशन तक रेल मार्ग दोहरीकरण कार्य.

भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पेण्डारोड के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
सोनमणि बोरा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर-चांपा, दिनांक 24 मार्च 2011

क्रमांक-क/भू-अर्जन/10.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजेपुर	चिस्टा प. ह. नं. 25	0.097	कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 2, चांपा.	चिस्टा माइनर नं. 2 नहर निर्माण.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 24 मार्च 2011

क्रमांक-क/भू-अर्जन/11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	चांपा	परसापाली प. ह. नं. 14	0.156	कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्र. 2, चांपा.	परसापाली माइनर नं. 2 नहर निर्माण.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना, जांजगीर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
ब्रजेश चन्द्र मिश्र, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

## कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011.

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 18/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	टेका प. ह. नं. 26	2.687	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा (खरसिया)	केलो परियोजना अंतर्गत तारापुर वितरक नहर के निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 19/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :-

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	गोरा प. ह. नं. 26	1.597	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा (खरसिया)	केलो परियोजना अंतर्गत तारापुर वितरक नहर के निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.



रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 32/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ़	सुलोनी प. ह. नं. 36	2.358	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत सुलोनी माइनर नहर आर.डी. क्र. 234 से 1590 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 33/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	गोतमा प. ह. नं. 36	3.011	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत केलापाली माइनर नहर आर.डी. क्र. 1580 से 3430 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 34/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	कठली प. ह. नं. 39	4.264	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत कलमा माइनर नं. 1, नहर आर.डी. क्र. 0 मी. से 1620 मी. तक और कलमा माइनर नं. 2, नहर आर.डी. क्र. 0 मी. से 378 मी. तक एवं 708 मी. से 888 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 35/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	कोतासुरा प. ह. नं. 37	2.028	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत ठाकुरपाली माइनर नहर आर.डी. क्र. 0 मी. से 1000 मी. तक निर्माण हेतु भू- अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 36/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	छिछोर उमरिया प. ह. नं. 41	1.480	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत ठाकुरपाली माइनर नहर आर.डी. क्र. 2485 मी. से 3150 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 37/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	परसापाली प. ह. नं. 41	1.846	कार्यपालन अभियंता, केलो परि- योजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत परसापाली माइनर नहर आर.डी. क्र. 1185 मी. से 2340 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 38/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	पुसल्दा प. ह. नं. 28	4.759	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय, खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत शंकरपाली माइनर नहर 1 आर.डी. क्र. 0 से 900 मी. तक एवं शंकरपाली माइनर नहर 2 आर.डी. क्र. 0 से 720 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 39/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

### अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	नन्देली प. ह. नं. 37	0.598	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना अंतर्गत केलो माइनर नहर डी. क्र. 0 से मी. तक निर्माण भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 40/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	कोतासुरा प. ह. नं. 37	1.484	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत टिनमिनी माइनर नहर आर.डी.क्र. 0 मी. से 930 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 मार्च 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 41/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

## अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	पुसौर	बुनगा प. ह. नं. 40	3.673	कार्यपालन अभियंता, केलो परियोजना निर्माण संभाग, लाखा, मुख्यालय खरसिया.	केलो परियोजना के अंतर्गत बुनगा माइनर नं. 1 नहर आर.डी.क्र. 2520 मी. से 4350 मी. तक निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
ए. के. अग्रवाल, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर,  
छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन  
राजस्व विभाग

कांकेर, दिनांक 28 मार्च 2011.

क्रमांक/1785/भू-अर्जन/कले./2009.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

### अनुसूची

#### (1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला-उत्तर बस्तर कांकेर
- (ख) तहसील-कांकेर
- (ग) नगर/ग्राम-कोड़ेजुंगा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.99 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
754	0.65
750	0.34
योग	2
	0.99

(2) सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण-मनकेशरी जलाशय के उन्नयन कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कांकेर के न्यायालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
एन. के. खाखा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं  
पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन  
राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 18 मार्च 2011

क्रमांक/542/अ.भू-अ.प्र./04/अ-82/वर्ष 2009-10.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

### अनुसूची

#### (1) भूमि का वर्णन—

- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-दुर्ग
- (ग) नगर/ग्राम-पाऊवारा, प. ह. नं. 31/44
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.34 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
375/1	0.18
376/1	0.16
योग	2
	0.34

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जंजगिरी डायवर्सन हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 30 मार्च 2011.

क्रमांक/856/अ-82/भू-अर्जन/2011.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

## अनुसूची

दुर्ग, दिनांक 30 मार्च 2011

## (1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-दुर्ग  
(ख) तहसील-पाटन  
(ग) नगर/ग्राम-ईरागुड़ा  
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.59 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
560/1 2	0.09
561	0.03
562	0.02
563	0.04
564/1	0.06
672/3	0.01
672/6	0.02
672/1	0.03
672/2	0.02
676	0.04
680	0.06
692	0.01
693	0.01
694	0.03
698/2	0.02
697	0.01
699	0.01
688/7	0.02
688/1	0.02
706	0.04

योग	20	0.59
-----	----	------

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ईरागुड़ा चारभाठा पायला मार्ग हेतु

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है।

क्रमांक/858/अ-82/भू-अर्जन/2011.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

## अनुसूची

## (1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-दुर्ग  
(ख) तहसील-पाटन  
(ग) नगर/ग्राम-चारभाठा  
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.10 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
523	0.02
521	0.02
518	0.02
517	0.02
539	0.02
योग	5 0.10

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-ईरागुड़ा चारभाठा पायला मार्ग हेतु

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है।

दुर्ग, दिनांक 30 मार्च 2011

क्रमांक/860/अ-82/भू-अर्जन/2011.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

## अनुसूची

	(1)	(2)
(1) भूमि का वर्णन-	1373	0.05
(क) जिला-दुर्ग	1374	0.04
(ख) तहसील-पाटन	1375	0.06
(ग) नगर/ग्राम-बघमरा	1377	0.04
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.17 हेक्टेयर	1378	0.05
	1380	0.09

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
316	0.06
317	0.04
318	0.03
319/1	0.04
योग	4 0.17

योग	07	0.43
-----	----	------

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-भनसुली  
व्यपवर्तन नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,  
पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 6 अप्रैल 2011

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-राजनांदगांव  
गुण्डरदेही मार्ग पर तांदुला नदी पहुंच मार्ग हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,  
पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 30 मार्च 2011

क्रमांक/862/अ-82/भू-अर्जन/2011.—चूंकि राज्य शासन को  
इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1)  
में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक  
प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894  
(क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित  
किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता  
है :-

## अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-पाटन
- (ग) नगर/ग्राम-खर्वा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.43 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
1372	0.10

## अनुसूची

- (1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-पाटन
- (ग) नगर/ग्राम-ओडारसकरी, प. ह. नं. 13
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.05 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
570	0.05
योग	0.05

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जोगानाला  
जलाशय नहर निर्माण.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी,  
पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.



दुर्ग, दिनांक 8 अप्रैल 2011

अनुसूची

क्रमांक/675/अ.भू-अ.प्र./01/अ-82/वर्ष 2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

## अनुसूची

## (1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-दुर्ग  
(ख) तहसील-धमधा  
(ग) नगर/ग्राम-सेमरिया, प. ह. नं. 17  
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.097 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
932	0.097
योग	1 0.097

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जालबांधा पहुंच मार्ग योजना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), दुर्ग के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
राम सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 15 अप्रैल 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 01/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

## (1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-रायगढ़  
(ख) तहसील-धरमजयगढ़  
(ग) नगर/ग्राम-नवांपारा, प. ह. नं. 31  
(घ) लगभग क्षेत्रफल-54.929 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
327/3	0.129
327/6	0.324
332/3	0.053
416/2	0.286
417/2	0.137
289/4	0.020
327/1	0.073
327/4	0.414
332/1	0.053
327/8	0.113
417/1	0.243
428/1	0.182
290/1	0.986
289/5	0.020
327/5 क	0.069
332/2 क	0.033
327/2 क	0.101
416/1 क	0.182
326/2	0.202
493/5	0.040
493/2	0.040
493/4	0.040
432	0.310
289/6	0.020
418/2	0.406
431/2	0.363
327/7	0.121
359/2	0.093
354/1	0.085
361/2	0.167
408/2	0.100
286	0.270
418/1	0.344
419/2	0.615
431/1 ख	0.133
291/2	0.020

(1)	(2)	(1)	(2)
327/2 ख	0.101	291/1	1.048
327/5 ख	0.068	383	1.220
332/2 ख	0.031	384	0.570
416/1 ख	0.182	289/1	0.680
428/2 ख	0.120	331	0.690
290/2	0.024	457	0.750
324	0.180	345	0.130
351	0.110	346	0.150
355	0.090	347	0.350
359/1	0.094	350	0.160
361/1	0.167	352	0.210
393/1	0.025	353	0.210
408/1	0.100	391	0.110
405/1	0.105	420	0.670
406	0.980	287/5	0.024
460	0.240	287/3	0.028
490	0.550	493/6	0.040
428/2	0.179	287/4	0.032
405/2	0.525	469/5	0.020
493/2	0.040	469/16	0.020
289/2	0.020	292	0.130
493/3	0.040	293	0.140
354/2	0.085	294	0.150
359/3	0.093	296	0.100
361/3	0.167	297	0.080
393/2	0.025	298	0.100
408/3	0.100	309	0.080
251	0.480	310	0.090
458	1.350	311	0.090
515	0.880	430/4	0.200
419/1	0.445	295	0.110
431/1 क	0.795	299	0.190
392	0.320	300	0.110
322	0.250	501/2	0.162
321	0.380	367	0.150
349	0.750	304/2	0.291
356	0.090	305	0.250
357	0.070	307	0.050
358	0.040	313	0.540
360	0.220	366	0.100
407	0.440	389	0.230
413	0.430	302/1	0.212
423	1.640	304/1	0.129
415	0.780	364/1	0.121
424	1.200	502	0.110
493/1	0.700	503	0.780

(1)	(2)	(1)	(2)
504	0.420	372	0.820
505	0.130	518	1.090
508	0.740	426/2	0.068
501/1	0.628	512/1	0.040
509	0.190	337/2	0.050
325	0.210	287/2	0.041
315/1	0.540	288/2	0.020
517/4	0.020	288/3	0.020
517/5	0.020	288/4	0.040
519/2	0.020	288/5	0.020
328	0.910	289/3	0.020
285/2	0.100	314/2	0.335
434/1	0.170	362/2	0.201
329	0.310	362/3	0.302
344	1.040	394/2	0.040
373	0.270	434/2	0.040
375	0.240	435/2	0.020
394/1	1.140	435/3	0.040
435/1	0.240	436/1	0.210
363	0.360	436/2	0.020
314/1	0.335	438/2	0.020
362/1	0.526	447/2	0.040
370	0.190	510/1	0.025
364/2	0.369	510/2	0.025
426/1 ख	0.050	511/1	0.060
302/2	0.218	511/2	0.020
430/1	0.040	511/3	0.020
371	0.120	511/4	0.020
388	0.160	512/3	0.020
425	0.100	512/4	0.020
430/2	0.210	512/5	0.020
376	0.160	512/6	0.020
426/1 क	0.050	513/1	0.300
426/3	0.062	513/2	0.020
427	0.230	513/3	0.299
440	0.340	517/2	0.020
438/1	0.720	517/3	0.020
442	0.200	430/5	0.040
444	0.100	512/2	0.620
455	0.200	519/1	0.530
506	0.170		
520	0.330		
522/1	0.200		
521	0.460		
301	0.640		
312	0.960		

(1)	(2)	(1)	(2)
430/3	0.200	660/2 ग	0.380
योग	215	661/2 ख	0.405
	54.929	664/2	0.052
(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-औद्योगिक प्रयोजनार्थ (पावर प्लांट हेतु)		664/9	0.151
(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.		669/2	0.037
		483/1	0.422
		465/1 क/2	0.202
		634/2 ख	0.237
		660/2 ख	0.380
		664/3	0.012
		664/8	0.052
		664/10	0.151
		669/3	0.024
रायगढ़, दिनांक 15 अप्रैल 2011		464/3 क/1	0.161
भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 02/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—		665	0.247
		666	0.105
		471/2	0.358
		464/3 घ	0.137
		466/3	0.113
		466/4	0.021
		496/1 ख	0.385
		633/1 ड	0.930
		485/1	0.032
		489/2	0.447
		671/1 ख	0.607
		482	0.239
		495/2 ख	0.336
		502/3	0.615
		484/1	0.454
		502/1	0.776
		487/1	0.393
		660/2 क	0.202
		661/2 क	0.404
		664/1	0.892
		668	0.466
		669/1	0.040
		670	2.175
		694/2	0.336
		493/2	0.210
		500	0.486
		492/2	0.178
		499	0.304
		471/4	0.157
		501	0.745
		495/1	0.259
		498/1	0.120

### अनुसूची

#### (1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-धरमजयगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-बोजिया, प. ह. नं. 31
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-44.562 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
634/2 ग	0.237
660/2 घ	0.381
664/4	0.270
664/17	0.050
664/11	0.152
636	0.227
637	0.506
472/2	0.178
664/5	0.113
669/4	0.137
487/2	0.291
634/2 क	0.236

(1)	(2)	(1)	(2)
671/2	1.380	481	0.450
475	0.271	490	0.922
489	0.802	491/1	0.061
504	0.955	671/1 क	1.012
506	0.360	492/1	0.332
508	0.797	509	0.417
632	0.829	486/1	0.081
635/1 ख	0.664	496/2	0.193
484/2	0.194	495/2 क	0.048
502/2	0.632	635/2	0.166
479	0.324	474	0.279
503	0.870		
510	0.295	योग	115 44.562
466/1	0.287		
496/1 क	0.656		
471/3	0.101		
465/1 क	0.079		
465/3	0.433		
465/5	0.057		
497/1	0.890		
480	0.146		
493/1	0.020		
660/2 ड	1.028		
664/6	0.113		
669/5	0.138		
694/3	0.170		
471/1	0.101		
634/1	0.709		
660/1	0.749		
661/1	0.255		
661/3	1.360		
661/4	0.648		
662/1	0.809		
662/2	1.518		
690	0.065		
694/1	0.506		
465/2	0.587		
465/4	0.344		
497/2	0.263		
488	0.441		
464/3 ग	0.182		
472/1	0.049		
473/1	0.146		
472/3	0.105		
476	0.478		
494	0.182		

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-औद्योगिक प्रयोजनार्थ (पावर प्लांट हेतु)

(3) भूमि का नक्शा (प्लान). अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 15 अप्रैल 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 03/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

### अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-धरमजयगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-चीतापाली, प. ह. नं. 31
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-96.498 हेक्टेयर

खसरा नम्बर

रकबा  
(हेक्टेयर में)

(1)

(2)

95/1

0.008

183

0.012

(1)	(2)	(1)	(2)
195	0.121	166	0.190
187/2	0.020	2/11	0.555
385	0.190	2/12	0.405
105/2	0.020	2/22	0.202
175/2	0.263	2/23	0.809
176	0.478	9/2	0.170
177	0.214	163/2	0.085
178	0.129	170	0.121
180	0.753	391	0.761
504	0.040	205/1	0.016
181	0.206	9/3	0.275
194	0.243	61	0.466
207/1	0.024	97	0.061
94	0.101	107	0.024
95	0.117	108	0.109
148/5	0.466	11	0.522
103	0.036	12/1	0.073
148/6	0.065	13/1 घ	1.214
148/7	0.105	13/1 ङ	0.809
117/2 ख	0.089	16/1	0.283
117/2 ग	0.073	22/2	0.024
153/2	0.162	23/3	0.198
154	0.210	24	0.870
383/1 ग	0.527	26	1.040
31	0.065	27	0.688
2/19	890	18/3	0.121
2/27	0.040	30	0.458
155/4	0.081	32/5	0.081
179/2	0.101	396/2	0.040
117/2 क	0.040	34	0.073
179/1	0.101	392/4	0.057
105/1	0.097	394/2	0.061
169/2	0.733	46	0.263
174/2	0.109	113/1 क	0.020
198	0.089	129	0.809
387/2	0.097	190	0.093
388/2	0.547	379/2 क	0.182
390/2	0.040	394/1	0.198
169/1	0.267	395	0.312
174/1	0.097	2/28	0.040
387/1	0.174	2/29	0.040
388/1	0.336	10/1	0.358
389	0.206	67/3	0.127
390/1	0.146	89/3	0.120
163/1	0.085	112/2	0.054
165	0.247	113/2	0.013

(1)	(2)	(1)	(2)
119/2	0.028	2/7 छ	0.077
2/2 ज	0.324	2/7 क	0.151
2/3 क, 2/3 ख	0.065	2/7 ख	0.073
2/7 ग	0.090	2/4 क	0.068
2/7 च	0.065	2/8 क	0.243
2/8 ख	0.097	2/9 क	0.021
2/8 ग	0.024	2/20 क	0.027
10/2 ग	1.016	2/21 क	0.101
89/2	0.534	3	0.210
113/1 ख	0.020	84/1	0.024
378, 379/1, 384/2	0.102	84/3	0.057
2/24	0.121	243/1	0.028
128/3	0.040	242	0.037
2/25/1	0.081	84/4	0.016
10/2 क	0.350	131/1	1.031
67/1 क	0.227	209/2 क, 209/2 ख	0.162
71/1	0.087	234/1	0.100
378, 379/1, 384/1	0.095	91/2 क	0.202
383/1 क	0.010	93/1	0.081
2/25/2	0.081	109	0.077
10/2 ग	0.350	110	0.158
67/1 ख	0.227	111	0.081
71/2	0.087	117/3	0.081
378, 379/1, 384/3	0.095	120	0.101
383/1 ख	0.010	100/1	0.006
164	0.283	59/1 ग	0.546
182	0.384	67/4	0.113
192	0.190	68/1	0.287
203/2	0.085	59/1 क	0.506
123/1 क	0.041	199	0.125
106	0.036	132/1	1.214
123/1 ग	0.040	66	0.575
167	0.129	13/1 क	0.283
206/1	0.004	59/3	0.162
203/1	0.040	13/2	0.202
209/4	0.166	80	0.093
232/1	0.004	171/1 ख	0.105
232/3	0.032	14/1	0.153
250	0.858	15/3 क	0.077
251/5	0.971	91/1 क	0.304
251/7	0.146	91/2 ग	0.223
251/8	0.121	14/4	0.454
1/2	0.065	15/3 ग	0.105
2/2 ख	0.162	16/2	0.202
2/7 छ	0.141	17	0.293
2/7 क	0.195	23/3	0.105
2/3 ख	0.056		

(1)	(2)	(1)	(2)
130/9	0.024	112/3	0.054
29/2	0.065	113/3	0.027
23/4	0.202	12/2	0.162
96	0.263	13/1 ख	0.202
114	0.034	13/1 ग	0.729
130/15	0.202	15/2	0.170
200	0.057	22/1	0.405
16/4	0.405	92	1.356
23/5	0.162	123/2	0.093
235/1	0.359	208	0.061
236	0.077	53/2	0.405
243/1	0.263	100/2	0.006
23/6	2.026	55/2	0.352
14/2	0.121	59/2	0.202
14/3	0.202	122	0.237
15/3 ख	0.324	55/1	0.040
90	0.093	59/1 ख	0.397
91/1 ख	0.162	60	0.166
91/2 घ	0.202	151/1 ख	0.607
93/2	0.437	201/1	0.053
98	0.024	33/2	1.072
392/1	0.223	102/1	0.036
393/3	0.085	158/3	0.028
16/3	0.040	156/6	0.170
18/4	0.154	160/1	0.081
204	0.032	159/1	0.146
205/2	0.036	48/2	0.591
206/2	0.024	54	0.121
209/1 क	0.081	53/3 च	0.040
225	0.401	209/3	0.162
234/2, 235/2	0.202	232/4	0.283
232/6	0.162	251/1	0.053
392/2	0.202	251/2	0.020
128/2	0.607	251/3	0.028
131/2	0.304	275	0.660
132/2 क	0.226	276	0.049
132/2 ख	2.708	277	0.053
138/3	0.429	278	0.473
148/4	0.142	67/2 ख	0.061
10/3	0.540	68/2 ख	0.061
18/9	0.081	148/2	0.137
37	0.024	172/2	0.089
50/3, 52/3	0.150	172/3	0.016
67/5	0.128	223	0.053
89/1	0.120	224/1	0.210
89/4	0.294	397/1	0.497
		148/3	0.542



(1)	(2)	(1)	(2)
148/9	0.040	5/2 क	0.040
224/2	0.020	5/4	0.040
224/4	0.025	6/1 ग	0.040
187/1	0.117	6/1 क	0.449
188	0.020	6/2	0.164
189	0.040	8/2 क	0.263
2/4 ख	0.337	6/1 ख	0.040
2/9 ख	0.100	33/1	0.020
2/20 ख	0.135	48/1	0.065
2/21 ख	0.506	148/1	0.045
4/2	0.591	151/5 क	0.101
2/5 ड	0.809	156/1 क	0.488
2/5 घ	2.620	157/1	0.611
2/5 ख	1.214	155/5 क	0.046
2/6	1.854	155/5 ख	0.113
2/13	0.142	156/2	0.263
201/4	0.057	156/4	0.182
157/2	0.020	157/3	0.364
158/1	0.052	29/3	0.073
158/6	0.195	162	0.049
196/3	0.069	238/2 ग, 239/2 ग	0.040
345/4	0.131	238/2 घ, 239/2 घ	0.009
343/5	0.012	171/2 ख	0.203
343/7	0.048	53/3 झ	0.040
124/4	0.009	53/3 थ	0.040
155/5 ड	0.064	53/3 ठ	0.040
155/5 ज	0.031	53/3 ट	0.040
156/5 क	0.308	62/1	0.512
241	0.105	64/2 क	0.052
42	0.729	67/2 क 1	0.803
43	0.615	68/2 क 1	0.223
45	0.392	69/2 क	0.046
46	0.226	62/2	0.511
47	0.567	64/2 ख	0.053
72	0.028	67/2 क 2	0.803
118	0.028	68/2 क 2	0.222
121	0.040	69/2 ख	0.047
127	0.109	84/5	0.077
274	0.105	88/2	0.498
503	0.093	88/4	0.202
49	0.081	124/1	0.009
50/1, 52/1	0.182	155/5 घ	0.030
112/1	0.054	158/2	0.217
119/1	0.069	196/1	0.079
50/2, 52/2	0.567	343/3	0.103
2/2 घ	0.061	345/1	0.644
2/42	0.101	156/5 ख	0.162

(1)	(2)
345/5	0.131
124/2	0.009
158/5	0.240
196/2	0.079
343/4	0.067
345/3	0.131
155/5 च	0.030
343/2	0.152
156/7	0.174
157/4	0.020
158/4	0.090
158/7	0.064
159/2	0.085
343/6	0.024
343/8	0.048
345/6	0.131
126	0.049
140/1	1.579
160/2	0.105
184/1	0.045
184/2	0.045
151/4	0.202
229, 233/2 ख	0.146
130/14 ग	0.101
130/14 झ	0.101
130/14 न	0.101
130/14 ट	0.101
130/14 ठ	0.101
140/2	1.011
140/3	0.324
141/2	0.032
152/1	0.162
161	0.073
237	0.154
238/2 क, 239/2 क	0.028
44	0.178
156/1 ख	0.607
151/5 ग	0.081
201/2	0.085
201/3	0.040
202	0.040
218	0.016
228	0.065
230	0.255
233/1	0.158
233/1	0.081

(1)	(2)
238/1	0.020
229, 233/2 क	0.377
5/2 ख	0.040
130/14 त	0.101
53/3 त	0.040
155/5 छ	0.030
151/5 ख	0.020
156/3	0.360
124/3	0.009
155/5 ग	0.061
योग	447 96.498

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-औद्योगिक प्रयोजनार्थ (पावर प्लांट हेतु)

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है।

रायगढ़, दिनांक 15 अप्रैल 2011

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 04/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 (1) के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :-

### अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-धरमजयगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-कटाईपाली, प. ह. नं. 31
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-37.816 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
595	0.140
596	0.140
675	2.290

(1)	(2)	(1)	(2)
		599	0.740
676	0.220	590	3.070
617	0.250	591/1	0.197
619	1.370	598	0.940
621	1.230	600	0.480
634	0.710	604	0.950
637	0.710	605	0.260
638	1.500	606	0.210
640	1.010	591/2	0.203
655	1.160	607	0.150
674	1.620	612/3	0.050
681	0.040	613	0.070
708/2	0.057	628	0.290
708/7	0.081	609	0.160
708/3	0.146	611	0.120
708/5	0.032	612/1	0.755
708/9	0.167	610/1	0.255
708/1	0.115	612/2	0.125
708/4	0.055	610/2	0.395
708/8	0.262	614	0.070
708/6	0.125	623	0.650
738	0.260	633	0.400
567	0.260	646/1	1.598
717	0.210	678/1	0.810
568	0.320	678/2	0.400
570	0.240	680	0.820
583	0.800	684	0.170
584	0.210	685	0.480
586	0.190	720/1	1.858
587	0.280		
588	0.750	योग	67 37.816
592	1.500		
602	0.280	(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-औद्योगिक	
593	1.640	प्रयोजनार्थ (पावर प्लांट हेतु)	
601	0.310	(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व,	
594	0.460	धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.	
		छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,	
		ए. के. अग्रवाल, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.	

## विभाग प्रमुखों के आदेश

कार्यालय, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, राजनांदगांव (छ.ग.)

राजनांदगांव, दिनांक 2 अप्रैल 2011

क्रमांक/2452/ज्ये.लि.-1/2011.—जिले में गर्मी एवं वर्षा के मौसम प्रारम्भ होते ही जल-जनित संक्रामक रोग जैसे-उल्टी-दस्त, आन्त्रशोथ, पीलिया आदि के फैलने का खतरा प्रारम्भ हो जाता है। गर्मी एवं वर्षा ऋतु में इन बीमारियों के महामारी का रूप धारण करने की सम्भावना रहती है, और इन पर प्रभावशाली तरीके से नियंत्रण के उपाय हर स्तर पर किया जाना आवश्यक है। अतः छत्तीसगढ़ आपात्क हैजा, जठर, आंत्रशोथ तथा संक्रामक यकृत शोथ अधिनियम 1983 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग में लाते हुए मैं सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी उक्त विनियम के नियम-3 के अधीन सम्पूर्ण राजनांदगांव जिला को 6 माह (छः माह) की अवधि के लिए अधिसूचित क्षेत्र घोषित करता हूँ।

(2) जिले के विभिन्न शहरों, हाट-बाजारों, तहसील एवं विकासखंड मुख्यालय के बाजारों, बस स्टैंडों के होटलों, दुकानों, ग्रामीण क्षेत्रों के हाट-बाजारों एवं अन्य साधनों से सड़े-गले फल, मानव खाद्य के लिये रोगग्रस्त या अशुद्ध या अस्वास्थ्यकर साग सब्जियाँ, मिष्ठान, मांस मछलियाँ, अनाज, रोटी, मानवीय उपयोग के लिये पेय पदार्थ जैसे बर्फ, आईस्क्रीम, शीतल पेय, गंदा गन्नारस आदि बेचे जाने से हैजा, आंत्रशोथ, पेचिस एवं संक्रामक बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। इस प्रकार की हानिकारक वस्तुओं की बिक्री रोकने के लिए छ.ग. आपात्क हैजा, जठर, आंत्रशोथ तथा संक्रामक यकृत शोथ विनियम 1983 के नियम (2) (ज) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों अर्थात् मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय राजनांदगांव, खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं जिले के समस्त नगर निगम क्षेत्र/नगर पालिका/नगर पंचायत, अधिकारियों को निरीक्षण एवं सघन अभियान व प्रचार-प्रसार चलाने के लिये निर्देश दिये जाते हैं।

(3) जिले के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं सार्वजनिक स्थानों के यात्रियों को हैजा का टीका लगाने की समुचित व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा की जाएगी।

(4) यह आदेश पूर्ण सावधानी उपाय के रूप में प्रसारित किया जा रहा है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी,  
कलेक्टर.

संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, छत्तीसगढ़ रायपुर

रायपुर, दिनांक 30 मार्च 2011

आकस्मिक रिक्ती की सूचना

[ छ.ग.न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 40 (2) की उपधारा (एक) के अंतर्गत ]

क्रमांक/शा./-1/विविध/1665/11/2726.—श्री लक्ष्मण सिंह रावटे, निर्वाचित पार्षद, वार्ड क्र. 07, नगर पंचायत डौण्डी ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक 37 सन् 1961) की धारा 40 (1) के अंतर्गत दिनांक 25-02-11 को लिखित रूप से सूचना दी है कि उनकी नौकरी लग जाने के कारण पार्षद के पद से त्यागपत्र देते हुए उसे स्वीकार करने का निवेदन किया है।

उक्तानुसार प्राप्त त्यागपत्र की वास्तविकता के बारे में समाधान कर लिया गया है तथा उपरोक्त कारण की तुष्टि होने के उपरांत

श्री लक्ष्मण सिंह रावटे. निर्वाचित पार्षद, वार्ड क्र. 07 नगर पंचायत डौण्डी का पार्षद पद से दिनांक 25-02-11 को दिया गया त्यागपत्र एतद्वारा स्वीकृत किया जाता है.

यह भी अधिसूचित किया जाता है कि श्री लक्ष्मण सिंह रावटे के त्यागपत्र के कारण नगर पंचायत डौण्डी के वार्ड क्र. 07 के पार्षद का पद रिक्त हो गया है.

संजय शुक्ला,  
आयुक्त.

कार्यालय, कलेक्टर (खनिज शाखा), रायपुर, छत्तीसगढ़

रायपुर, दिनांक 28 मार्च 2011

क्रमांक क/खलि/तीन-1/09.—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 1996 के नियम (12) के तहत, जिला रायपुर स्थित निम्नानुसार सूची में दर्शाये गये क्षेत्र, चूनापत्थर गौण खनिज के उत्खनिपट्टा स्वीकृति हेतु, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक से 30 (दिन) पश्चात्, आवेदन हेतु उपलब्ध होगा. प्राप्त आवेदन पत्रों पर नियमानुसार जांच उपरान्त आवेदित क्षेत्र में उत्खनिपट्टा स्वीकृति हेतु विचार किया जायेगा.

क्र.	ग्राम का नाम	प. ह. नं.	तहसील	खसरा नंबर	रकबा	अन्य विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	निसदा	148	आरंग	1338 (शासकीय घास भूमि)	1.70 एकड़	श्री पुनीत राम साहू को फर्शीपत्थर उत्खनिपट्टा दिनांक 22-06-2000 से 21-06-2010 तक स्वीकृत अवधि समाप्त होने के कारण क्षेत्र रिक्त है.
2.	धनसूली	79	आरंग	923 (निजी भूमि)	4.60 एकड़	श्री के. आर. रूपरेला को चूनापत्थर उत्खनिपट्टा दिनांक 4-12-2005 से 3-12-2010 तक स्वीकृत अवधि समाप्त होने के कारण क्षेत्र रिक्त है.

डोमन सिंह,  
अपर कलेक्टर.

उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

बिलासपुर, दिनांक 12 जनवरी 2011

क्रमांक 150/तीन-10-8/2000 (V).—छत्तीसगढ़ सिविल न्यायालय अधिनियम, 1958 (क्रमांक 19 सन् 1958), की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए तथा इस संबंध में जारी की गई पूर्व की अधिसूचना क्रमांक-9689/तीन-10-8/2000 (V) दिनांक 08 दिसंबर, 2008 को अतिष्ठित करते हुए, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ निर्देश देता है कि छत्तीसगढ़ में प्रत्येक सिविल जिला के लिये,

विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर की अधिसूचना क्रमांक फा. 233/86/21-B/11 दिनांक 11 जनवरी, 2011 द्वारा स्थापित अपर जिला न्यायाधीश, सिविल न्यायाधीश प्रथम वर्ग तथा सिविल न्यायाधीश द्वितीय वर्ग के न्यायालय 17 जनवरी, 2011 से नीचे दी गई सारणी में प्रत्येक सिविल जिले के सामने विनिर्दिष्ट स्थानों पर बैठेंगे :-

## सारणी

क्र.	सिविल जिले के नाम	अपर जिला न्यायाधीश के न्यायालय		सिविल न्यायाधीश प्रथम वर्ग के न्यायालय		सिविल न्यायाधीश द्वितीय वर्ग के न्यायालय	
		बैठने का स्थान	न्यायालयों की संख्या	बैठने का स्थान	न्यायालयों की संख्या	बैठने का स्थान	न्यायालयों की संख्या
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	बस्तर (जगदलपुर)	1. जगदलपुर	3	1. जगदलपुर 2. नारायणपुर 3. कोंडागांव	3 1 1	1. जगदलपुर 2. नारायणपुर 3. केशकाल	6 1 1
2.	बिलासपुर	1. बिलासपुर 2. मुंगेली 3. पेण्डारोड	7 1 1	1. बिलासपुर 2. मुंगेली 3. पेण्डारोड 4. बिल्हा	5 1 1 1	1. बिलासपुर 2. मुंगेली 3. पेण्डारोड 4. कोटा 5. लोरमी 6. मरवाही 7. तखतपुर	10 1 1 1 1 1 1
3.	दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	1. दंतेवाड़ा	1	1. दंतेवाड़ा 2. सुकमा 3. बीजापुर	1 1 1	1. दंतेवाड़ा 2. बीजापुर 3. बचेली 4. कोन्दा	2 1 1 1
4.	धमतरी	1. धमतरी	1	1. धमतरी 2. कुरूद	2 1	1. धमतरी 2. नगरी	2 1
5.	दुर्ग	1. दुर्ग 2. बालौद 3. बेमेतरा	6 1 1	1. दुर्ग 2. बालौद 3. बेमेतरा 4. पाटन 5. गुण्डरदेही	3 1 1 1 1	1. दुर्ग 2. बालौद 3. बेमेतरा 4. साजा 5. डोण्डीलोहारा 6. दल्लीराजहरा	12 2 2 1 1 1
6.	जांजगीर-चांपा	1. जांजगीर 2. सक्ती	1 1	1. जांजगीर 2. सक्ती 3. चांपा	2 1 1	1. जांजगीर 2. सक्ती 3. डभरा 4. पामगढ़ 5. जैजैपुर 6. नवगाढ़ 7. मालखरौदा	2 1 1 1 1 1 1

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
7.	जशपुर	1. जशपुर	1	1. जशपुर 2. कनुकुरी	2 1	1. जशपुर 2. पत्थलगांव 3. बगीचा	1 1 1
8.	कबीरधाम (कवर्धा)	-	-	1. कवर्धा	3	1. कवर्धा 2. पंडरिया	1 1
9.	कोरबा	1. कटघोरा	1	1. कोरबा 2. कटघोरा	2 1	1. कोरबा 2. कटघोरा 3. पाली 4. करतला	1 1 1 1
10.	कोरिया (बैकुंठपुर)	1. मनैद्रगढ़	2	1. बैकुंठपुर 2. मनैद्रगढ़ 3. चिरमिरी	2 1 1	1. बैकुंठपुर 2. मनैद्रगढ़ 3. जनकपुर	1 1 1
11.	महासमुंद	1. महासमुंद	2	1. महासमुंद 2. सरायपाली	3 1	1. महासमुंद 2. पिथौरा	2 1
12.	रायगढ़	1. रायगढ़ 2. सारंगढ़	1 1	1. रायगढ़ 2. घरघोड़ा 3. सारंगढ़	2 1 1	1. रायगढ़ 2. धर्मजयगढ़ 3. खरसिया	4 1 1
13.	रायपुर	1. रायपुर 2. बलौदा बाजार 3. भाटापारा 4. गरियाबंद	8 2 1 1	1. रायपुर 2. बलौदा बाजार 3. गरियाबंद 4. भाटापारा 5. कसडोल	6 1 1 1 1	1. रायपुर 2. बलौदा बाजार 3. गरियाबंद 4. राजिम 5. सिमगा 6. बिलाईगढ़ 7. तिल्दा 8. देवभोग 9. भटगांव	16 1 1 1 1 1 1 1 1
14.	राजनांदगांव	1. राजनांदगांव 2. खैरागढ़	2 1	1. राजनांदगांव 2. अम्बागढ़ चौकी 3. डोंगरगढ़ 4. खैरागढ़	2 1 1 1	1. राजनांदगांव 2. डोंगरगढ़ 3. खैरागढ़ 4. छुईखदान	3 1 1 1
15.	सरगुजा (अंबिकापुर)	1. अंबिकापुर 2. सूरजपुर	2 1	1. अंबिकापुर 2. रामानुजगंज 3. सूरजपुर 4. प्रतापपुर	2 1 1 1	1. अंबिकापुर 2. सूरजपुर 3. ब्राइफनगर 4. सीतापुर	5 2 1 1
16.	उत्तर बक्षार (कांकेर)	1. कांकेर	1	1. कांकेर 2. आनुप्रतापपुर	2 1	1. कांकेर 2. पखांजुर	1 1

Bilaspur, the 12th January 2011

No. 150/III-10-8/2000 (V).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12 of the Chhattisgarh Civil Courts Act, 1958 (Act No. 19 of 1958) and in supersession of its previous Notification No. 9689/III-10-8/2000 (V), dated 08-12-2008, the High Court hereby directs that the Courts of Additional District Judges, Civil Judges Class-I and Civil Judges Class-II as established by the Law Department Notification No. F-233/86/21-B/11 dated 11-01-2011 for each Civil District in Chhattisgarh shall sit with effect from the 17th January 2011 at the places specified against them in the table below :—

TABLE

Sl. No.	Name of Civil District	Court of Additional District Judges		Court of Civil Judges Class-I		Court of Civil Judges Class-II	
		Place of Sitting	No. of Courts	Place of Sitting	No. of Courts	Place of Sitting	No. of Courts
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1.	Bastar (Jagdalpur)	1. Jagdalpur	3	1. Jagdalpur 2. Narayanpur 3. Kondagaon	3 1 1	1. Jagdalpur 2. Narayanpur 3. Keshkal	6 1 1
2.	Bilaspur	1. Bilaspur 2. Mungeli 3. Pendra-Road	7 1 1	1. Bilaspur 2. Mungeli 3. Pendra-Road 4. Bilha	5 1 1 1	1. Bilaspur 2. Mungeli 3. Pendra-Road 4. Kota 5. Lormi 6. Marwahi 7. Takhatpur	10 1 1 1 1 1 1
3.	Dakshin Bastar Dantewara	1. Dantewara	1	1. Dantewara 2. Sukma 3. Bijapur	1 1 1	1. Dantewara 2. Bijapur 3. Bacheli 4. Konta	2 1 1 1
4.	Dhamtari	1. Dhamtari	1	1. Dhamtari 2. Kurud	2 1	1. Dhamtari 2. Nagri	2 1
5.	Durg	1. Durg 2. Balod 3. Bemetara	6 1 1	1. Durg 2. Balod 3. Bemetara 4. Patan 5. Gunderdehi	3 1 1 1 1	1. Durg 2. Balod 3. Bemetara 4. Saja 5. Dondilohara 6. Dallirajhara	12 2 2 1 1 1
6.	Janjgir-Champa	1. Janjgir 2. Sakti	1 1	1. Janjgir 2. Sakti 3. Champa	2 1 1	1. Janjgir 2. Sakti 3. Dabhra 4. Pamgarh 5. Jaijaipur 6. Navagarh 7. Malkharoda	2 1 1 1 1 1 1
7.	Jashpur	1. Jashpur	1	1. Jashpur 2. Kunkuri	2 1	1. Jashpur 2. Patthalgaon 3. Bagicha	1 1 1
8.	Kabeerddham (Kawardha)			1. Kawardha	3	1. Kawardha 2. Pandariya	1 1



(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
9.	Korba	1. Katghora	1	1. Korba 2. Katghora	2 1	1. Korba 2. Katghora 3. Pali 4. Kartala	1 1 1 1
10.	Koriya (Baikunthpur)	1. Manendragarh	2	1. Baikunthpur 2. Manendragarh 3. Chirmiri	2 1 1	1. Baikunthpur 2. Manendragarh 3. Janakpur	1 1 1
11.	Mahasamund	1. Mahasamund	2	1. Mahasamund 2. Saraipali	3 1	1. Mahasamund 2. Pithoura	2 1
12.	Raigarh	1. Raigarh 2. Sarangarh	1 1	1. Raigarh 2. Gharghora 3. Sarangarh	2 1 1	1. Raigarh 2. Dharamjaigarh 3. Kharsiya	4 1 1
13.	Raipur	1. Raipur 2. Balodabazar 3. Bhatapara 4. Gariyaband	8 2 1 1	1. Raipur 2. Balodabazar 3. Gariyaband 4. Bhatapara 5. Kasdol	6 1 1 1 1	1. Raipur 2. Balodabazar 3. Gariyaband 4. Rajim 5. Simga 6. Bilaigarh 7. Tilda 8. Devbhog 9. Bhatgaon	16 1 1 1 1 1 1 1 1
14.	Rajnandgaon	1. Rajnandgaon 2. Khairagarh	2 1	1. Rajnandgaon 2. Ambagarh- chowki. 3. Dongargarh 4. Khairagarh	2 1 1 1	1. Rajnandgaon 2. Dongargarh 3. Khairagarh 4. Chhuikhadan	3 1 1 1
15.	Surguja (Ambikapur)	1. Ambikapur 2. Surajpur	2 1	1. Ambikapur 2. Ramanujganj 3. Surajpur 4. Pratappur	2 1 1 1	1. Ambikapur 2. Surajpur 3. Wadrafnagar 4. Sitapur	5 2 1 1
16.	Uttar Bastar (Kanker)	1. Kanker	1	1. Kanker 2. Bhanupratappur	2 1	1. Kanker 2. Pakhanjur	1 1

बिलासपुर, दिनांक 18 जनवरी 2011

क्रमांक 04/दो-2-5/2007.— श्रीमति रानू दिवेकर, न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, रायगढ़ दिनांक 04-02-2010 की अपराह में सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप उनके अवकाश लेखा में सेवानिवृत्ति तिथि को शेष अर्जित अवकाश 240 (दो सौ चालीस) दिवस के अर्जित अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006, पत्र क्रमांक 4590/डी-331/21-ब/छ.ग./09, दिनांक 08-07-2009 सहपठित पत्र क्रमांक 4082/21-ब/छ.ग./2010 दिनांक 01-05-2010 में दिये गये स्पष्टीकरण (clarification) के आलोक में, प्रदान की जाती है।

बिलासपुर, दिनांक 25 फरवरी 2011

क्रमांक 1227/तीन-22-3/2000.—छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा निम्नलिखित सारणी के कॉलम नम्बर (1) में दर्शित अधिसूचना क्रमांक एवं दिनांक, जिसका संबंध कॉलम नम्बर (2) में दर्शित न्यायाधीश के, कॉलम नम्बर (3) में दर्शित स्थान के शिविर/शृंखला न्यायालय से है, को एतद्वारा निरस्त किया जाता है।

अधिसूचना क्रमांक एवं दिनांक (1)	न्यायालय का नाम (2)	स्थान (3)
1017/तीन-22-3/2000 08-02-2007	अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जशपुरनगर	कुनकुरी
650/तीन-22-3/2008 17-01-2008	व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, डभरा	सक्ती
652/तीन-22-3/2008 17-01-2008	व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चांपा	जांजगीर

Bilaspur, the 25th February 2011

No. 1227/III-22-3/2000.—The following Notification Nos./Date as mentioned in column No. (1) so far as it relates to holding Camp/Link Court of the Court mentioned at column No. (2) at the places mentioned at column No. (3) of the table below, are hereby cancelled.

Notification Nos./Date (1)	Name of the Court (2)	Place (3)
1017/III-22-3/2000 08-02-2007	Additional District & Sessions Judge, Jashpurnagar.	Kunkuri
650/III-22-3/2008 17-01-2008	Civil Judge Class II & J.M.F.C., Dabhra	Sakti
652/III-22-3/2008 17-01-2008	Civil Judge Class II & J.M.F.C., Champa	Janjgir

Bilaspur, the 14th March 2011

No. 193/Confdl./2011/II-3-14/2000.—On the application of Ku. Sarita Das, IV Civil Judge Class-II, Raigarh, to permit her to write "Shrimati" in place of "Kumari" before her name, she is, hereby, permitted to write "Shrimati" in place of "Kumari" before her name. It is directed that necessary changes be affected in all her records.

By order of Hon'ble the Chief Justice,  
A. K. SHRIVASTAVA, Registrar General.

Bilaspur, the 17th February 2011

No. 350/L.G./2011/II-2-15/2007.—Smt. Vimla Singh Kapoor, Judge, Family Court, Janjgir-Champa is hereby, granted earned leave for 09 days from 21-02-2011 to 01-03-2011 and permission to prefix holidays of 19th & 20th February, 2011 (3rd Saturday & Sunday) & suffix holiday of 02-03-2011 (Mahashivratri) along with permission to remain out of headquarters from 19-02-2011 to 02-03-2011.

During the period of earned leave, she shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Smt. Kapoor, had not proceeded on leave as aforementioned then she would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 244 days of earned leave are remaining in her leave account as on date.

By order of the High Court,  
BALINDAR SINGH SALUJA, Additional Registrar.

बिलासपुर, दिनांक 23 फरवरी 2011

क्रमांक 12/दो-3-2/2007.—श्री शिवमंगल पाण्डेय, तत्कालीन द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग वर्तमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कबीरधाम (कवर्धा) को उनके आवेदन पत्र दिनांक 22-12-2010 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2007 से 31-10-2009 में उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

बिलासपुर, दिनांक 23 फरवरी 2011

क्रमांक 13/दो-3-4/2008.—श्री नीलम चंद सांखला, तत्कालीन विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज), दुर्ग वर्तमान पीठासीन अधिकारी, छ.ग. राज्य वक्फ अधिकरण, रायपुर को उनके आवेदन पत्र दिनांक 31-08-2010 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2007 से 31-10-2009 में उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

बिलासपुर, दिनांक 10 मार्च 2011

क्रमांक 18/दो-2-22/2001.—श्रीमति मैत्रेयी माथुर, न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, राजनांदगांव को उनके आवेदन पत्र दिनांक 27-01-2011 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2007 से 31-10-2009 में उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय के आदेशानुसार,  
एम. पी. बिसोई, लेखाधिकारी.

बिलासपुर, दिनांक 14 फरवरी 2011

क्रमांक 9/दो-3-16/2003.—श्री अनिल कुमार शुक्ला, तत्कालीन जिला एवं सत्र न्यायाधीश, महासमुंद वर्तमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, धमतरी को उनके आवेदन पत्र दिनांक 15-11-2010 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2007 से 31-10-2009 में उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

बिलासपुर, दिनांक 14 फरवरी 2011

क्रमांक 10/दो-2-9/2008.—श्री अखिल कुमार सामन्तरे, तत्कालीन जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बस्तर स्थान जगदलपुर वर्तमान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मनेन्द्रगढ़ को उनके आवेदन पत्र दिनांक 21-12-2010 के आधार पर दो वर्ष की खण्ड अवधि अर्थात् दिनांक 01-11-2007 से 31-10-2009 में उनके अवकाश खाता में शेष अर्जित अवकाश में से 30 दिवस के अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006 के आलोक में प्रदान की जाती है।

माननीय मुख्य न्यायाधिपति महोदय के आदेशानुसार,  
ए. एल. खुटेला, बजट अधिकारी.

---